

न्यू सांगानेर रोड पर जेडीए ने शुरू की तोड़फोड़

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर 100 फीट सड़क सीमा से अतिक्रमण हटाने पहुंचे बुलडोजर

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। न्यू सांगानेर रोड पर सोमवार सुबह जेडीए का प्रवर्तन दस्ता अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो दुकान-मकान टूटने की आशंका से कई पीड़ितों की आंखों से आंसू छलक पड़े। मेट्रो से अजमेर रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर बड़ी संख्या में महिलाएं जुटीं और जेडीए कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी की। महिलाओं ने दीपावली से पहले कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुकान-मकान टूटने से लोग बेरोजगार और बेघर हो जाएंगे।

जेडीए प्रवर्तन शाखा ने हाईकोर्ट के

- महिलाओं ने किया कार्रवाई का विरोध, तोड़फोड़ देखकर लोगों की आंखों में आंसू छलके

आदेशों की पालना में जोन-सी क्षेत्र में गुर्जर की थड़ी से सोडाला की ओर करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में 100 फीट सड़क सीमा के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण हटाए। जेसीबी और मजदूरों की मदद से सड़क सीमा में बने चबूतरे, सीढ़ियां सहित अन्य अतिक्रमण ध्वस्त किए गए। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदार खुद भी अतिक्रमण हटाने नजर आए। अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय पुलिस जापने तथा राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ की मौजूदगी में कार्रवाई की गई।



जेडीए प्रशासन ने न्यू सांगानेर रोड पर गुर्जर की थड़ी से सोडाला की ओर जाने वाले मार्ग पर करीब एक कि.मी. क्षेत्र में 100 से ज्यादा अतिक्रमण ध्वस्त किये। इस दौरान प्रभावितों ने कार्रवाई का विरोध किया।

आज कोर्ट में जवाब पेश होगा, इसलिए मंगलवार को नहीं होगी तोड़फोड़
जेडीए उपमहानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि मंगलवार को न्यायालय में जवाब पेश किया जाना है, इसलिए कार्रवाई

नहीं होगी। आगे की कार्रवाई का कार्यक्रम जल्द तैयार किया जाएगा। उन्होंने न्यू सांगानेर रोड पर लगे जेडीए ट्रिब्यूनल के स्थगन आदेश वाले पोस्टरों की जानकारी से अनभिज्ञता जताते हुए मामले की जांच कराने की बात कही।

कई दुकान-मकान व होटलों के बाहर स्टे के पोस्टर बने चर्चा का विषय
इस 100 फीट सड़क पर जहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होनी है, वहां पर कई दुकान, मकान और होटल के बाहर



राजलक्ष्मी बैंक लोन घोटाले में 8 साल से फरार दंपती गिरफ्तार



माणकचौक थाना पुलिस ने दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपए का फर्जी ऋण हड़पने वाले दंपती को गिरफ्तार किया।

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपए के ऋण हड़पने के मामले में करीब आठ साल से फरार चल रहे दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनम घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी प्रकाश भारद्वाज (54) और उसकी पत्नी निशा भारद्वाज (48) प्रताप नगर सांगानेर निवासी हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने निवास और ठिकाने बदल रहे थे। जिस पर थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र की मदद से साढ़ कपड़ों में निगुरानी रखी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

नकबजनी के आरोपी की निशानदेही पर चोरी की 4 बाइक बरामद की पुलिस ने

जयपुर। फुलेरा पुलिस ने नकबजनी और वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जयपुर शहर, रिंगस, खादश्यामजी और कोटा सहित विभिन्न इलाकों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि नकबजनी के मामले में पुलिस ने विशाल गवारिया (21) निवासी भैरू की ढाणी, ईटावा को 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त जयपुर जंक्शन से चोरी की गई बाइक आरजे 14 जेआर 6036 पहले ही बरामद की जा चुकी थी।

पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर ईटावा स्थित पुरानी बंद स्कूल की चारदीवारी के पास बबूल की झाड़ियों में छिपाकर रखी चार बाइकें बरामद की गईं। इनमें दो एचएफ डीलक्स और दो स्लेंडर प्लस शामिल हैं। बरामद बाइक के नंबर आरजे 20 एनएस 2115, आरजे 23 आरएस 4564, आरजे 23 बीएस 9043 और आरजे 23 एएस 1650 हैं। पुलिस ने इन्हें धारा 106 बीएसएसएस के तहत जब्त किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूद शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश जोशी के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। बाइक बरामदगी में कांस्टेबल महेश कलवानिया की विशेष भूमिका रही।

फर्जी फूड इंस्पेक्टर बनकर भारी डिस्काउंट मांगने वाला गिरफ्तार

मिठाइयों में शिकायतें बताकर एलएमबी के मालिक को धमकाया, माणक चौक पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में पकड़ा

जयपुर। जौहरी बाजार स्थित लक्ष्मी मिष्ठान भंडार (एलएमबी) में रविवार को खुद को फूड इंस्पेक्टर बताकर मिठाइयों पर भारी डिस्काउंट मांगने वाले 33 वर्षीय युवक को माणक चौक थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने मिठाइयों की लगातार शिकायतें आने का हवाला देकर एलएमबी संचालक पर कम कीमत में मिठाई देने का दबाव बनाया और फोन पर गाली-गलौज भी की।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि हरियाणा के महेंद्राढ़ निवासी आरोपी रविवार को पत्नी और सास के साथ जयपुर घूमने आया था। दोपहर करीब 11.30 बजे वह एलएमबी पहुंचा और पहले मिठाइयों के भाव पूछे। इसके बाद काउंटर पेश कार्रवाियों से छूट की मांग की। बात नहीं बनी तो उसने खुद को फूड इंस्पेक्टर बताते हुए एलएमबी मालिक से बात कराने के लिए दबाव बनाया। फोन पर उसने मिठाइयों को लेकर शिकायतें मिलने की बात कहते हुए कम कीमत में मिठाई देने का दबाव बनाया। बातचीत पर संदेह होने पर

एलएमबी संचालक ने माणक चौक थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ में उसके फूड इंस्पेक्टर होने का दावा झूठा निकला। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दुकान पर पहुंचने से पहले उसने एक ग्राहक को किसी अधिकारी का नाम लेने पर छूट में मिठाई मिलते हुए सुना था। इसी से प्रभावित होकर उसने खुद को फूड इंस्पेक्टर बताकर भारी छूट में मिठाई लेने की योजना बनाई। हालांकि बात बिगड़ने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी को शांतिभंग के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। सोमवार दोपहर उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से जमानत पर रिहा कर दिया गया। आरोपी के पकड़े जाने तक बाहर इंतजार कर रही पत्नी और सास को पहले लगा कि एलएमबी में विवाद होने पर पुलिस उसे ले गई है। थाने पहुंचने पर फर्जी फूड इंस्पेक्टर बनने की बात सामने आई तो दोनों भी हैरान रह गईं।

मुख्य सचिव ने किया जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाने का निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्थित साइबर अपराध थाने का निरीक्षण कर साइबर अपराधों से निपटने की तैयारियों और कार्रवाई की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि साइबर ठगी में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलते ही पुलिस, बैंक और संबंधित एजेंसियों के बीच तत्काल समन्वय कर ठगी की राशि सुरक्षित कराने की कार्रवाई शुरू होनी चाहिए।

उन्होंने 1930 से शिकायत दर्ज होने से लेकर बैंक खाते पर कार्रवाई तक की प्रक्रिया को और तेज करने, संदिग्ध खातों की पहचान तथा ठगी की रकम का घन प्रवाह पता लगाने पर जोर दिया। साथ ही बैंकिंग संस्थाओं के साथ बेहतर तालमेल और शिकायत से खाते पर कार्रवाई तक लगने वाले समय का नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने साइबर थाने में शिकायत, एफआईआर, डिजिटल साक्ष्य संकलन व जांच की प्रक्रिया की जानकारी ली और तकनीकी संसाधन बढ़ाने तथा कर्मिकों के नियमित प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने अभय कमांड सेंटर का भी दौरा किया, जहां पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने 1930 और 112 कॉल सेंटर के संचालन की जानकारी दी।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को साइबर अपराध थाने का निरीक्षण किया।

- वी. श्रीनिवास ने कहा कि “साइबर ठगी में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलते ही पुलिस, बैंक और संबंधित एजेंसियों के बीच तत्काल समन्वय कर ठगी की राशि सुरक्षित कराने की कार्रवाई शुरू होनी चाहिए।”

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि साइबर अपराध नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित कर्मिक और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ पुलिस से संबंधित एजेंसियों के समन्वय को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने शिकायत से लेकर राशि सुरक्षित कराने और जांच पूरी होने तक समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीजी साइबर क्राइम वी.के. सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर एयरपोर्ट के 5 कि.मी. दायरे में लेजर लाइट पर प्रतिबंध

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा और विमानों के निरंतर आवागमन को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने एयरपोर्ट की सीमा से 5 किलोमीटर की परिधि में लेजर लाइट और अन्य तेज प्रकाश वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) अजय सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत यह निषेधाज्ञा जारी की है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास स्थित विवाह स्थलों, होटलों, मैरिज गार्डन और अन्य आयोजन स्थलों पर सांभरलेक के दौरान तेज लेजर या बीम लाइट का इस्तेमाल किया जाता है। आसमान में दूर तक जाने वाली इन रोशनीयों से विमानों के उतरने और उड़ान भरने के दौरान पायलटों की दृश्यता प्रभावित होने तथा उनका ध्यान भटकने की शपथ खलाई। डीजीपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी को केवल बल के रूप में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम मानें।

डीजीपी ने कहा कि गृह मंत्रालय के नए मॉडल सिलेक्स के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया है। पुलिसकर्मियों को नए अपराधिक कानूनों का गहन अध्ययन करने और अनुसंधान में डिजिटल साक्ष्यों का अधिकतम उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी, पेपरलीक और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर एवं ड्रिल में प्रियंका बेनीवाल, सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षण में राशिका मीना, आउटडोर में भारती शर्मा, फायरिंग में निधि शेखावत और कंप्यूटर विषय में रविना को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक निरीक्षक नितेश शर्मा और पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा रहे।

438 महिला कांस्टेबलों ने ली देश और जनसेवा की शपथ

राजस्थान पुलिस अकादमी में बैच-102 का दीक्षांत समारोह आयोजित

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में सोमवार को नवप्रशिक्षित कांस्टेबल के बैच-102 का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित हुआ। पारसिंग आउट परेड में प्रदेश के विभिन्न शहरों, गांवों और ढाणियों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 438 महिला कांस्टेबल ने देश और जनसेवा की शपथ ली। परिजनों की तालियों और भावुक माहौल के बीच महिला कांस्टेबल ने मार्च पास्ट किया।

परेड कमांडर प्रियंका बेनीवाल के नेतृत्व में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं आरपीए निदेशक संजीव कुमार नाजारी ने नवप्रशिक्षित कांस्टेबल को नमस्कार दिलाई। डीजीपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी को केवल बल के रूप में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम मानें।

डीजीपी ने कहा कि गृह मंत्रालय के नए मॉडल सिलेक्स के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया है। पुलिसकर्मियों को नए अपराधिक कानूनों का गहन अध्ययन करने और अनुसंधान में डिजिटल साक्ष्यों का अधिकतम उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी, पेपरलीक और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर एवं ड्रिल में प्रियंका बेनीवाल, सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षण में राशिका मीना, आउटडोर में भारती शर्मा, फायरिंग में निधि शेखावत और कंप्यूटर विषय में रविना को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक निरीक्षक नितेश शर्मा और पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा रहे।



आरपीए में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया।

परेड कमांडर प्रियंका बेनीवाल तथा प्लाटून कमांडर भारती शर्मा, पूजा जाट, राशिका मीना, तनुशी माली, निधि शेखावत, प्रिया यादव, सुमन कुमावत और किरण मीणा को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

छह पुलिसकर्मियों को डीजीपी डिस्क
उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए रावतसर थाने के विकास कुमार सहराण, नदी में डूब रही महिला को बचाने के लिए दीपक लबाना, नए अपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में योगदान के लिए सुरेश

कुमार, पुलिस बैड व कैवलरी शो में योगदान के लिए सुरेश चंद्र तथा गंधी महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जीवन बचाने के लिए अनिल कुमार योगी और सुरेंद्र सिंह गुर्जर को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया गया। समारोह में एडीजीपी प्रशिक्षण एच.जी. राघवेंद्र सुहासा, डीजीपी कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल, एडीजीपी अपराध शाखा विपिन पाण्डेय, एडीजीपी कानून-व्यवस्था वी.के. सिंह सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क चौड़ी होगी या फिर रोजी-रोटी उजड़ेगी : खंडेलवाल
जयपुर। सोडाला से गुजर की थड़ी तक न्यू सांगानेर रोड के चौड़ीकरण की कार्रवाई को लेकर व्यापारियों और स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ गई है। दुकानों और मकानों पर लगाए जा रहे लाल निशानों से वर्षों से कारोबार कर रहे परिवारों के सामने रोजी-रोटी और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित व्यापारी मुआवजे और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण और यातायात सुधार जरूरी हो सकते हैं तथा न्यायालय के आदेशों की पालना भी आवश्यक है, लेकिन विकास के साथ प्रभावित परिवारों के भविष्य की सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दुकानों में वर्षों की मेहनत, जमा पूंजी और परिवारों का भविष्य जुड़ा है। खंडेलवाल ने मांग की कि कार्रवाई से पहले प्रत्येक प्रभावित दुकान-मकान का पारदर्शी सर्वे कर दस्तावेजों की जांच की जाए तथा पात्र लोगों को उचित मुआवजा दिया जाए। प्रभावित व्यापारियों को वैकल्पिक दुकान और परिवारों को उचित आवास एवं पुनर्वास की व्यवस्था मिले। उन्होंने “दुकान के बदले दुकान और घर के बदले घर” जैसी व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में कार्रवाई की आशंका से छोटे और मध्यम व्यापारियों की परेशानी बढ़ी है। सरकार स्पष्ट करे कि प्रभावित लोगों को कितना मुआवजा, कहाँ पुनर्वास और कारोबार दोबारा स्थापित करने में क्या सहायता मिलेगी।

सार-समाचार

पार्क में लटका मिला ऑटो चालक का शव

जयपुर। खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र में आगरा रोड पर प्रेम नगर पुलिसिया के पास स्थित एक सार्वजनिक पार्क में ऑटो चालक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सोमवार सुबह जब क्षेत्रवासी पार्क में टहलने पहुंचे, तो लोहे के ऎंगल से रस्सी के सहारे युवक का शव लटक मिला। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के जेएनयू अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। थानाधिकारी सुनील गोदारा के बताए अनुसार मृतक की पहचान मूलतः करौली के सपोटरा निवासी हेमंत राणा (35) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में गोनेर रोड स्थित सुंदर बिहार कॉलोनी में परिवार संग रहता था और जयपुर में ऑटो रिक्शा चलाकर अपना गुजारा करता था। परिजनों ने बताया कि वह रविवार शाम को रोजाना की तरह ऑटो लेकर काम पर निकलने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। सोमवार तड़के पार्क में टहलने आए स्थानीय लोगों की नजर जब लोहे के ऎंगल पर लटक शव पर पड़ी, तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाकर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए जेएनयू अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया गया। शुरुआती छानबीन में मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है।

कुलगुरु बी.पी. सारस्वत का अभिनंदन
जयपुर। विप्र फाउंडेशन की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलगुरु भगवती प्रसाद (बीपी) सारस्वत का अभिनंदन किया गया। फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें साफा पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश शर्मा, जयपुर जोन अध्यक्ष राजेश राजेश, संगठन महामंत्री धर्मेन्द्र शर्मा, सह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री कमल शर्मा, अशोक पारीक सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन-संस्कृति मंत्री दिया कुमार ने सोमवार को पर्यटन भवन में विभागीय योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष आकाश सिंह ललवात, पर्यटन विभाग शासन सचिव शुचि त्यागी, पर्यटन आयुक्त रूक्मणी रियाड सहित पुरातत्व, कला-संस्कृति और आरटीडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महाराणा प्रताप सर्किट, आमेर मास्टर्ड प्लान सहित प्रमुख परियोजनाओं, कार्ययोजनाओं और बजट घोषणाओं की वित्तीय प्रगति व क्रियान्वयन की जानकारी दी। बैठक में पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, विरासत संरक्षण, पर्यटन अवसरचना, डिजिटल पर्यटन, प्रचार-प्रसार, आरटीडीसी परिसरपतियों के पुनरोद्धार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दिया कुमार ने पर्यटन निवेश को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस व्यवस्था प्रभावी करने के निर्देश दिए।